

संपादकीय

उद्धव की चुनौती

शि वसेना के नाम और चुनाव निशान पर शनिवार को आया चुनाव आयोग का फैसला शिंदे गुट के लिए जितना उत्तम और चुनाव निशान शिंदे गुट को मिलने का मतलब है। यह चुनाव आयोग ने उसे ही असली शिवसेना माना है। ऐसे में अब पहला सबल तो यही समझे आ गया है कि पार्टी की शाखाओं और उसके खंडों पर किसका कब्जा होगा। शिंदे गुट ने कहा है कि पार्टी के दार रित मुख्यालय शिवसेना भवन पर वह फिलहाल दावा नहीं करेगा। वैसे भी उसका स्वामित्व एक ट्रस्ट के नाम है, तो उस पर कब्जा जमान आसान नहीं होगा। अन्य ज्यादातर भवनों के साथ भी ऐसी ही दिक्कत है लेकिन राज्य भर में फैली शाखाओं के साथ ऐसा नहीं है। ज्यादातर शिवसेना शाखाएँ और इसके भवन वरैर नियम नेताओं या उसे जुड़ी संस्थाओं के पास हैं। जाहिर है, शिंदे गुट की पहली कोशिश शिवसेना से जुड़े स्थानीय नेताओं की बदलावी हासिल करने की होगी ताकि उनके जरिये पार्टी की पूरी संरचना पर कब्जा करके शिवसैनिकों को अपने पाले में लाया जा सके। शिंदे गुट को लग रहा है कि पार्टी का निशान मिल जाने के बाद अब उसके लिए ऐसा करना अपेक्षाकृत आसान भी होगा। लेकिन उद्धव ठाकरे गुट ने भी आक्रमक मुद्दा अधिकार करते हुए ऐसे संभावित प्रयासों को नाकाम रखने की तैयारी दिखाई है।

जाहिर है, आने वाले दिनों में यह टक्काव बढ़ सकता है, लेकिन आधिकारक यह आम शिवसैनिकों और शिवदेवी समर्थकों पर ही निर्भर करता है कि वे बाल ठाकरे के उत्तराधिकारी के रूप में किसे मान्यता देते हैं।

शिवसैनिक वहां मुरुरीदों से तैनात रहे हैं। जाहिर है, आने वाले दिनों में यह टक्काव बढ़ सकता है, लेकिन आधिकारक वह आम शिवसैनिकों और शिवदेवी समर्थकों पर ही निर्भर करता है कि वे बाल ठाकरे के उत्तराधिकारी के रूप में किसे मान्यता देते हैं। इसके पहली बड़ी परीक्षा मुंबई महानगरपालिका के चुनावों में होगी जो कुछ महीनों में होने वाले हैं। चूंकि मुंबई में शिवसेना का सबसे मजबूत गढ़ मानी जाती रही है, उसका हाथ से निकलना नियमिक सांवित हो सकता है। इसे समझते ही उद्धव ठाकरे गुप्ती भी इस लड़ाई में पूरी तकत जोके हुए है। उसने एमवीए के अन्य घटक दलों की चिंता छोड़कर प्रक्रक्षण आंडेंडर की अमुआई वाली रिपब्लिकन पार्टी से गठबंधन कर लिया है। वैसे, अच्छी बात यह है कि गठबंधन के अन्य घटक दलों ने इसे ज्यादा तूल नहीं दिया। शर्प पवार ने भी उद्धव ठाकरे का उत्तराधिकारी हुआ उन्हें पूरी तकत से चुनाव पैदान में उत्तरों का सुझाव दिया है। उद्धव ठाकरे भी विश्ववासीत के अरोपों के सहाये आम शिवसैनिकों और पार्टी समर्थकों के मन में सहानुभूति पैदा करने में लगे हैं। इन चुनावों के नतीजे का तो इंतजार करना होगा, लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि लड़ाई दिलचस्प होने वाली है।

अभिमत आजाद सिपाही

ज्ञारखंड के आदिवासी और सदावी भाषाओं की जो परिस्थिति पूर्व में थी कमोदेश आज भी वही स्थिति बनी हुई है। राज्य गठन के अगारह वर्ष गुजर जाने के पश्चात भी ज्ञारखंडी भाषाओं के प्रति सरकार का नजरिया अभी तक पूरी तरह से नहीं बदला है। इदरा ईसाई मिथनरियों द्वारा ज्ञारखंड की भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की भाषाएँ कब के विलुप्त हो चुकी होतीं।

अगले 50 सालों में खत्म हो जायेंगी ज्ञारखंड की आठ आदिवासी व सदावी भाषाएं



डॉ बिरिंद्र कुमार महतो
लंबे संघर्ष के पश्चात ज्ञारखंड राज्य तो अस्तित्व में आ गया, लेकिन इस संघर्ष में जिन भाषा और संस्कृत को आशा बदलकर संर्घण्य किया गया, वही भाषा-संस्कृती आज अपना बजद, अपना अस्तित्व बदला के जांद्रहंड में है। हायार पहचान देने वाली मातृ भाषाएँ बाला संस्कृत और विकास की ओरी में गुप होती जा रही है। साथ ही शहरी इलाकों में बसी आदिवासी व सदावी आवादी अपनी भाषा का उपयोग बोलचाल में नहीं के बदल रही है, इसलिए इन भाषाओं की हालात बहुत ही चिंताजनक है।

ज्ञारखंड के आदिवासी और सदावी भाषाओं की जो परिस्थिति पूर्व में थी कोमोदे आज भी वही स्थिति बनी हुई है। राज्य गठन के अगारह वर्ष आज भी विविध भाषाओं के प्रति राज्य भवनों के पश्चात भी ज्ञारखंडी भाषाओं के प्रति सरकार का नजरिया अभी तक पूरी तरह से नहीं बदला है। इस और सरकार का रवैया भी काफी उपेक्षापूर्ण रहा है। वह ईसाई मिथनरियों द्वारा ज्ञारखंड की भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की भाषाओं के बदल रही है।

ज्ञारखंडी भाषाओं की जो पौधारी पार्टी की ओरी परीक्षियों द्वारा ज्ञारखंडी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा। दूसरी तरफ शहरी क्षेत्रों में प्रवास कर रहे अधिकारों आदिवासी-सदावी भाषाओं के पश्चात भी ज्ञारखंडी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

पौधारी भाषाओं के प्रति लगाव नहीं रहता, तो यहाँ की आदिवासी व सदावी भाषाओं का विकास हो सकेगा।

गढ़वा

मदरसे में नाबालिग बच्चों के साथ यौन शोषण करने का मामला आया सामने

नगर उंडारी थाने में मुफ्ती के खिलाफ एकआईआर दर्ज, विधायकी के ८८ से मुफ्ती फ़रार

आजाद सिपाही संवाददाता

बंशीधर नगर। मदरसे में बच्चों को तालीम देने के बजाय शरीर मालिश करने लगा। इस बीच मालिश से मदरसत मुफ्ती उस बच्चे से अपैतक कार्रव कराने लगा। उस दौरान बच्चे ने घुणित कार्रव का विरोध किया। उसने इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी। घटना से आक्रोशित बच्चे के परिजनों ने सोमवार के बाद पर कुर्क्का का आरोप किया और पर नहीं बल्कि मदरसे में तालीम देने वाले मुफ्ती पर लगा है। मुफ्ती सुनाविक मुफ्ती ने गांव से अपने कुछ समर्थक ग्रामीणों को बुला लिया। इस बीच बात बढ़ गयी और मुफ्ती ने समर्थक ग्रामीणों के नगर उंडारी थाना अंतर्गत काइदी बच्चों पर हमला लगाया। उक्त मदरसे में इस तरह लाज और नहीं बल्कि यांत्रिक वाले नहीं बल्कि मदरसे में तालीम देने वाले मुफ्ती पर लगा है। मुफ्ती ने गांव से अपने समर्थक ग्रामीणों को बुला लिया। इस बीच बात बढ़ गयी और मुफ्ती ने समर्थक ग्रामीणों के नगर उंडारी थाना के घुणित कार्रव को घुणित कराने का मामला सामने आया है। इस तरह वही को घुणित कराने के घर मौला और पर कुर्क्का का आरोप किया रखा और पर नहीं बल्कि मदरसे में तालीम देने वाले मुफ्ती पर लगा है। मुफ्ती ने गांव से अपने समर्थक ग्रामीणों को बुला लिया। इस बीच बात बढ़ गयी और मुफ्ती ने समर्थक ग्रामीणों के नगर उंडारी थाना अंतर्गत काइदी बच्चों पर हमला लगाया। उक्त मदरसे में इस तरह लाज और नहीं बल्कि यांत्रिक वाले नहीं बल्कि मदरसे का है। उक्त मदरसे में इस तरह लाज और नहीं बल्कि यांत्रिक वाले नहीं बल्कि मदरसे का है। इसका खुलासा मदरसे में तालीम ले रहे बच्चों ने किया है। जानकारी के सुनाविक उक्त मदरसे में 40-50 बच्चे तालीम ले रहे हैं। मामला तब सामने आया जब रविवार की रात के बच्चों को अपने कमरे में बूलाया और भवनाथपुर थाना क्षेत्र के एक बच्चे दर्ज होने के बाद मुफ्त फ़रार है।

विधायक भानु ने उप स्वास्थ्य केंद्र एवं पीसीसी पथ की रथी आधारशिला



(केतार (आजाद सिपाही)) प्रखंड क्षेत्र के मुकुंदपुर में उप स्वास्थ्य केंद्र भवन एवं पालनगर शिव चतुरा स्थित पीडल्कुरी सड़क से कोलंझिकी पुल तक

पीसीसी पथ की आधारशिला विधायक भानु प्रताप शाही ने रखी। मुकुंदपुर

उपस्वास्थ्य केंद्र की आधारशिला कार्यक्रम की शुरूआत विधित पूजा अर्चना कर गांव के ही बुजुर्ग महेशी बिवार के हाथों नारियल फोड़ा कर की। इस उपस्वास्थ्य केंद्र की प्रावक्तित राशि लगभग 30 लाख है, जबकि पीसीसी पथ की प्रावक्तित राशि लगभग 10 लाख है। सभा को संबोधित करते हुए विधायक भानु प्रताप शाही ने कहा कि उपस्वास्थ्य केंद्र की निर्माण हो जाने से बहु-बेटियों को प्रसव कराने में सहायत देंगी। इस मौके पर जिला पारिवारिक सदस्य ज्वाला प्रसाद, विधायक प्रतिनिधि विक्रमा सिंह, मुख्यमंत्री मुंगा साह, प्रमोद कुमार, कलेन्द्र पासवान, अवधिवर्द्ध राजा प्रसाद, रामप्रसाद कमलालुरी, कृपाशंकर जायसवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कलश यात्रा के साथ महारुद्र यज्ञ शुरू



(कंडी (आजाद सिपाही)) प्रखंड क्षेत्र के डूमरसोता पंचायत स्थित अडंगा बाबा के विराट पास सोमवार को विराट लक्ष्मी बाबा के साथ

महारुद्र यज्ञ प्रारंभ हो गया। कलश यात्रा अडंगा बाबा से चलकर पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास सोन नद से अभिमत्रित जल भरकर यज्ञशाला में स्थापित किया गया। कलश यात्रा के दौरान आचार्य सियाराम शरण के द्वारा सभी कलशधारियों को अभिमत्रित कर जल भरवाया गया। कलश यात्रा में ज्ञ समिति के अध्यक्ष मुख्यदेव गुणा, सचिव सुरेश मिश्रा, कोषायक्ष मत्सेन्द्र मिश्रा शासक शेखर के अलावे निर्मल विश्वकर्मा गमणीयी तिवारी उमेंद पांडेय लक्ष्मण राम हरिश्वर दुबे, राजेश शर्मा शम्भु नाथ मिश्रा, बालेश्वर मिश्रा प्रकाश मेहता सहित कई लोग उपस्थित थे।

भंडरिया में एफएलएन का चार दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

भंडरिया (आजाद सिपाही)। बीआरसी कार्यालय के प्रशिक्षण भवन में शिक्षकों का एफएलएन का चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन बीपीएम रवि कुमार, सोआरपी विजयकृष्णन सहित अन्य लोगों ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। मौके पर विपीपं रवि कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण केंद्रों की उपस्थिति देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बचाव को लेकर जापन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत देवांगा बाबा के विश्वास के बाद अन्य लोगों ने जाने से बच

गुमला

सेल डीड में सुधार और मैरेज पंजीयन में तेजी लाना जरूरी : उपायुक्त



उपायुक्त ने की निबंधन कार्यालय से संबंधित कार्यों की समीक्षा

आजाद सिपाही संचादाता

गुमला। उपायुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में निबंधन कार्यालय अंतर्गत किये जाने वाले कार्यों की समीक्षा को लेकर बैठक की गयी। जिसमें सुच्छ रूप से जिला निबंधन पदाधिकारी दिलोप कुमार महिलाओं को मैरिज रजिस्ट्रेशन करने का निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त ने मैरिज रजिस्ट्रेशन पर विशेष रूप से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मैरिज रजिस्ट्रेशन से महिलाओं को प्रताड़ित होने से बचाया जा सकता है। साथ ही सरकार के विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी उन महिलाओं को आसानी से दिया जा सकेगा। उपायुक्त ने समाज

बिहार ऑप्टिक्स के नये शोरूम का नगर परिषद उपाध्यक्ष ने किया उद्घाटन



गुमला (आजाद सिपाही)। शहर के थाना रोड में बिहार ऑप्टिक्स नामक चश्मा प्रतिष्ठान नाम से खुला। मुख्य अंतिथ नगर परिषद के उपाध्यक्ष सह ज्ञामुमा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष कलीम अख्दार ने फोटो काटकर प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया। उनके विश्वास पर खार उत्तरे हुए किफायती दर पर चश्मा उपलब्ध कराए। ताकि उन्हें दुकान के बैंकर और कर्लर को एकेवर लैंस भी मौजूद है। नजर संबंधी किसी भी समस्या से जु़र हो लोग वहां आर और खी की जांच करा सकते हैं। अगले माह से चिकित्सक के बैंकर को व्यवस्था की जाएगी। प्रतिष्ठान में पावर लैंस का संग्रह है। मौके पर जितेंद्र राय, असलम अंसारी, गुड्डू खान, विक्रम कुमार, मस्ताक, अनवर खान, अमित कुमार, रिशाद आलम, दिलशाद रजा, रेहान रजा, रमेज आदि मौजूद थे।

डेढ़ किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार



सिसई (आजाद सिपाही)। युग्म पुलिस ने सोमवार का दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार गांजा तस्करों में सेना थाना क्षेत्र के बक्सीडीपा निवासी सुनेश कुमार साहू (28) और सेना बांधटोली निवासी रेशन कुमार महतो (20) शामिल हैं। इस बात के अन्यतरी सत्यम् गुना ने युग्म थाना में प्रेस वार्ता कर बताया कि गवाह शाम थाना प्रभारी सत्यम् गुना को युग्म सुचारू मिली कि सेना थाना क्षेत्र से दो व्यक्ति मोटरसाइकिल नं. जेए 01वी 8690 से गांजा लेकर युग्म को आर आने पर आवाहन होते हैं। इसके बाद एसपी ने लोहरदगा से गांजा खरीदकर सिसई में बेचने जाने की जानकारी दी। मामले को लेकर पुस्तो थाना में दोनों को जेल भेज दिया गया है। वहीं दोनों के विरुद्ध पूर्व से अन्य कांड में सलिलता और अवैध गांजा के खरीद-बिक्री से जुड़े अन्य लोगों की खोजबीन की जा रही है।

कार्यक्रम: गुमला में स्वामी सहजानंद की 135वीं जन्म शताब्दी मनायी गयी स्वामी जी का पूरा जीवन संघर्ष की गाथा है : सार्जट मेजर प्रणव कुमार



कहा- ब्रह्मि समाज आर्थिक रूप से सबल है, लेकिन इसे जगने की जरूरत है।

आजाद सिपाही संचादाता

गुमला। जिला मुख्यालय के बीचों बीच स्थित गोकुल नगर में स्वामी सहजानंद भवन में स्वामी सहजानंद की 135वीं जन्म शताब्दी मनायी गयी।

कार्यक्रम के मुख्य अंतिथ गुमला जिला सार्जट मेजर प्रणव कुमार ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभार्थ किया। मुख्य अंतिथ ने कहा ऐसे महान विभूति के कार्यक्रम में आने की जिजासा बनी रहती है। अनें वाले समय में उन्होंने अपने नेतृत्व शक्ति

प्रेस कांफ्रेंस : परमेश्वर सिंह उर्फ पनु सिंह हत्याकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन

फरार दो आरोपी बिहार के समर्तीपुर से हुए गिरफ्तार

गांजा बनाने के लिए एक घुटकी खेनी नहीं देने के कारण हुई थी मूंगी की हत्या : एसटीपीओ

एक अग्रियुक्त को पकड़ कर पहले ही गेंजा जा चुका है जेल

आजाद सिपाही संचादाता

गुमला। सदर थाना क्षेत्र के लिए एक नगर निवासी परमेश्वर से सुधार लाने की बात कही। नियमित रूप से जिले के निर्देश दिया। इसके साथ ही सभी को रजिस्ट्रेशन के स्टाफ़ाइड कॉर्पोज जल्द से जल्द उपलब्ध कराने की बात कही। पंचायत स्तर पर मैरिज रजिस्ट्रेशन करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने की निबंधन कार्यालय से संबंधित कार्यों की समीक्षा



गांजा बनाने के लिए एक घुटकी खेनी नहीं देने के कारण हुई थी मूंगी की हत्या : एसटीपीओ

एक अग्रियुक्त को पकड़ कर पहले ही गेंजा जा चुका है जेल

आजाद सिपाही संचादाता

गुमला। सदर थाना क्षेत्र के लिए एक नगर निवासी परमेश्वर से सुधार लाने की बात कही। नियमित रूप से जिले के निर्देश दिया। इसके साथ ही सभी को रजिस्ट्रेशन के स्टाफ़ाइड कॉर्पोज जल्द से जल्द उपलब्ध कराने की बात कही। पंचायत स्तर पर मैरिज रजिस्ट्रेशन करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने की निबंधन कार्यालय से संबंधित कार्यों की समीक्षा

गुमला (आजाद सिपाही)। शहर के निवासी परमेश्वर से सुधार लाने की बात यह है कि इस चर्चित हत्याकांड का मुख्य कारण एक चुटकी खेनी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसटीपीओज ने अग्रियुक्त को पकड़ कर जेल भेजा जा चुका था। सोमवार को पुलिस ने दो और अधियुक्तों को प्रेस कार्यक्रम प्रारंभ करने का निर्देश दिया। इसके बाद जेल भेजे गए एसटीपीओज ने अग्रियुक्त को पकड़ कर जेल भेजा जा चुका था।

उपायुक्त ने की निबंधन कार्यालय से संबंधित कार्यों की समीक्षा

गुमला (आजाद सिपाही)। शहर के निवासी परमेश्वर से सुधार लाने की बात यह है कि इस चर्चित हत्याकांड का मुख्य कारण एक चुटकी खेनी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसटीपीओज ने अग्रियुक्त को पकड़ कर जेल भेजा जा चुका था। सोमवार को पुलिस ने दो और अधियुक्तों को प्रेस कार्यक्रम प्रारंभ करने का निर्देश दिया। इसके बाद जेल भेजे गए एसटीपीओज ने अग्रियुक्त को पकड़ कर जेल भेजा जा चुका था।

उपायुक्त ने की निबंधन कार्यालय से संबंधित कार्यों की समीक्षा

गुमला (आजाद सिपाही)। शहर के निवासी परमेश्वर से सुधार लाने की बात यह है कि इस चर्चित हत्याकांड का मुख्य कारण एक चुटकी खेनी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसटीपीओज ने अग्रियुक्त को पकड़ कर जेल भेजा जा चुका था। सोमवार को पुलिस ने दो और अधियुक्तों को प्रेस कार्यक्रम प्रारंभ करने का निर्देश दिया। इसके बाद जेल भेजे गए एसटीपीओज ने अग्रियुक्त को पकड़ कर जेल भेजा जा चुका था।

उपायुक्त ने की निबंधन कार्यालय से संबंधित कार्यों की समीक्षा

गुमला (आजाद सिपाही)। शहर के निवासी परमेश्वर से सुधार लाने की बात यह है कि इस चर्चित हत्याकांड का मुख्य कारण एक चुटकी खेनी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसटीपीओज ने अग्रियुक्त को पकड़ कर जेल भेजा जा चुका था। सोमवार को पुलिस ने दो और अधियुक्तों को प्रेस कार्यक्रम प्रारंभ करने का निर्देश दिया। इसके बाद जेल भेजे गए एसटीपीओज ने अग्रियुक्त को पकड़ कर जेल भेजा जा चुका था।

उपायुक्त ने की निबंधन कार्यालय से संबंधित कार्यों की समीक्षा

गुमला (आजाद सिपाही)। शहर के निवासी परमेश्वर से सुधार लाने की बात यह है कि इस चर्चित हत्याकांड का मुख्य कारण एक चुटकी खेनी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसटीपीओज ने अग्रियुक्त को पकड़ कर जेल भेजा जा चुका था। सोमवार को पुलिस ने दो और अधियुक्तों को प्रेस कार्यक्रम प्रारंभ करने का निर्देश दिया। इसके बाद जेल भेजे गए एसटीपीओज ने अग्रियुक्त को पकड़ कर जेल भेजा जा चुका था।

उपायुक्त ने की निबंधन कार्यालय से संबंधित कार्यों की समीक्षा

गुमला (आजाद सिपाही)। शहर के निवासी परमेश्वर से सुधार लाने की बात यह है कि इस चर्चित हत्याकांड का मुख्य कारण एक चुटकी खेनी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसटीपीओज ने अग्रियुक्त को पकड़ कर जेल भेजा जा चुका था। सोमवार को पुलिस ने दो और अधियुक्तों को प्रेस कार्यक्रम प्रारंभ करने का निर्देश दिया। इसके बाद जेल भेजे गए एसटीपीओज ने अग्रियुक्त को पकड़ कर जेल भेजा जा चुका था।

उपायुक्त ने की निबंधन कार्यालय से संबंधित कार्यों की समीक्षा

गुमला (आजाद सिपाही)। शहर के निवासी परमेश्वर से सुधार लाने की बात यह है कि इस चर्चित हत्याकांड का मुख्य कारण एक चुटकी खेनी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसटीपीओज ने अग्रियुक्त को पकड़ कर जेल भेजा जा चुका था। सोमवार को पुलिस ने दो और अधियुक्तों को प्रेस कार्यक्रम प्रारंभ करने का निर्देश दिया। इसके बाद जेल भेजे गए एसटीपीओज ने अग्रियुक्त क

पांकी में शिव रात्रि को लेकर तोरणद्वार पर हुए बवाल की घटना 2002 की घटना को कर दिया ताजा

2002 अप्रैल की घटना से सबक नहीं ले पाये पांकीवासी

14 फरवरी की घटना की स्थानीय पुलिस अगर गंगीनारा से लौती तो शायद इंटरनेट बंद करने की आवश्यकता नहीं पड़ी आपस में अलन-जैन और सोहार्ड पूर्ण वातावरण बना रहे इसके लिए सभी को इस घटना से सबक लेने की है जल्दत

जयकान्त शुक्ला

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू जिले के पांकी की घटना अमन-चैन और आपस में सौहार्द परसंद लोगों को ज़ाक़ोस़र कर रख दिया है। इस घटना में सभी लोगों को मानो ऐसा लोग रहा था कि ना जाने आप क्या होगा सभी लोग भय के माहौल में 4 दिनों तक अपनी ज़ुड़ों विरासी। अगर इस घटना पर

गौर किया जाए तो ऐसे कई पहल हैं जो कहीं ना कहीं पुलिस प्रशासन और वहां के समाजिक गणमान्य लोगों की कमी को दर्शाते हैं। खासकर जब दो समुदाय का मामला किसी त्योहार में छाँटी सी बात को लेकर इतना आगे बढ़ जो वह आने वाली पैदियों के लिए बहुत खतरनाक होगा। अब गौर इंटरनेट बंद कर देता पर इस घटना को टाला जा सकता है। अगर मैं जूँछ उभर कर बातें सामने आई हैं। उसमें उन नव निहालों को कैन मिलता है तो चाहे किसी समुदाय के हो वह कहते नहीं आते।

तो जब भी मंच में गणमान्यों को मौका मिलता है तो वह निहालों को कैन धड़ेला जिनको ना तो वर्तमान का समुदाय के हो वह कहते नहीं शकते कि यह गंगा जमुनी तहजीब की धरती है तो समाज में इतना विष्पृष्ठ कैसा। कहीं नहीं तब उनको सही मार्गदर्शन मिल पाएगा। बातों वाले में डीसी इसमें लोगों के दिल में खट जल्द है। एक काहवाल है दिल में कुछ, मन में कुछ, और बोलने के लिए कुछ। पांकी की वह घटना समाज

के समाने कुछ ना कुछ तो जरूर पैगम दे गई है कि अगर पूरे समाज में अमन-चैन बरकरार रखना है तो आपसी विष्पृष्ठ को समाप्त करना होगा। नहीं तो इस घटना में कुछ ऐसी बातें उभर कर समाज आई हैं जो वह आने वाली पैदियों के लिए बहुत खतरनाक होगा। अब गौर करने वाली बात यह है कि आखिर इस जलती हुई अग मैं जूँछ उभर कर बातें सामने आई हैं। उसमें उन नव निहालों को कैन धड़ेला जिनको ना तो वर्तमान का आगर गंगा जमुनी तहजीब की धरती है तो वह समाज में इतना विष्पृष्ठ कैसा। कहीं नहीं तब उनको सही मार्गदर्शन मिल पाएगा। बातों वाले में डीसी इसमें लोगों के दिल में खट जल्द है। एक काहवाल है दिल में कुछ, मन में कुछ, और बोलने के लिए कुछ। पांकी की वह घटना समाज

के पांचवें दिन शामि समिति सबक लेने की जरूरती थी। अगर 2002 की घटना से सबक लिया गया होता तो वह नौबत नहीं आती। पांकी में हुए तोरण द्वारा के विवाद को लेकर अगर वह को पुलिस उसी दिन दोनों समुदायों को बैठाकर बातचीत कर लेती तो उन्होंने साफ कहा कि जिन निहालों के हाथ में कॉपी, किताब होना चाहिए उनके हाथ में प्रश्न रख समझ से पेरे है। उन्होंने सभी अधिकावकों को निश्चित तौर पर इस घटना को टाला जा सकता था। गौर करने वाली बात तो वह है कि पांकी बच्चा क्या कर रहा है वह आपको पता होना चाहिए तभी उनको सही मार्गदर्शन मिल पाएगा। बातों वाले में डीसी इसमें लोगों के दिल में खट जल्द है। एक काहवाल है दिल में कुछ, मन में कुछ, और बोलने के लिए कुछ। पांकी की वह घटना समाज

के पांचवें दिन शामि समिति सबक लेने की जरूरती थी। अगर 2002 की घटना से सबक लिया गया होता तो वह नौबत नहीं आती।

तो रोका जा सकता था इस विवाद को

पांकी में हुए इस घटना को जरा गौर से देखा जाए तो जैसे ही वह

चिंगारी निकली थी अगर उसी समय समय रहते उसे सुलझा लिया जाता तो शायद इस घटना को रोका जा सकता था। लोगों का मानना है कि जिस जगह पर विवाद हुआ वह बहुत बड़ा विवाद नहीं था। अगर पहुंची पुलिस उसी समय संज्ञान में ले लेती तो वह नौबत नहीं आती तभी है। उन्होंने कहा कि यह कोई पर गांव के लोग एक दूसरे से मिलने का अवसर मिलता है। साथ ही धार्मिक वातावरण भी बनता है युवा नेता सुर्या सिंह ने कहा कि यह से इलाके में सुख समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि यह कोई पर गांव के लोग एक दूसरे से मिलने का अवसर मिलता है। इसमें लोगों में धर्म के प्रति आस्था मजबूत होती है। मौके पर एनसीपी के प्रदेश महासचिव विनय कुमार सिंह उर्फ बीनु सिंह, विधायक प्रतिनिधि अंजीत सिंह, वीर सुरी अध्यक्ष गुरु सिंह, गोरख पासवान, पंचायत समिति प्रदीप पासवान, सुभाष पासवान काफी सख्ता में श्रद्धालु मौजूद हैं।

जागरण का जो दौरा परिवेश चल रहा है वह अपास में उलझ कर रहने का। खैर अब जो भी हो अब देखना यह है कि अब वे घटनाओं के बाद लोग आपसी सूखबूझ और भाईचारे के साथ रहते हैं। यह नहीं वह तो वक्त ही बताएगा।

तो रोका जा सकता था इस विवाद को

पांकी में हुए इस घटना को जरा गौर से देखा जाए तो जैसे ही वह

चिंगारी निकली थी अगर उसी समय समय रहते उसे सुलझा लिया जाता तो शायद इस घटना को रोका जा सकता था। लोगों का मानना है कि जिस जगह पर विवाद हुआ वह बहुत बड़ा विवाद नहीं था। अगर पहुंची पुलिस उसी समय संज्ञान में ले लेती तो वह नौबत नहीं आती तभी है। उन्होंने कहा कि यह कोई पर गांव के लोग एक दूसरे से मिलने का अवसर मिलता है। साथ ही धार्मिक वातावरण भी बनता है युवा नेता सुर्या सिंह ने कहा कि यह से इलाके में सुख समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि यह कोई पर गांव के लोग एक दूसरे से मिलने का अवसर मिलता है। इसमें लोगों में धर्म के प्रति आस्था मजबूत होती है। मौके पर एनसीपी के प्रदेश महासचिव विनय कुमार सिंह उर्फ बीनु सिंह, विधायक प्रतिनिधि अंजीत सिंह, वीर सुरी अध्यक्ष गुरु सिंह, गोरख पासवान, पंचायत समिति प्रदीप पासवान, सुभाष पासवान काफी सख्ता में श्रद्धालु मौजूद हैं।

जागरण का जो दौरा परिवेश चल रहा है वह अपास में उलझ कर रहने का। खैर अब जो भी हो अब देखना यह है कि अब वे घटनाओं के बाद लोग आपसी सूखबूझ और भाईचारे के साथ रहते हैं। यह नहीं वह तो वक्त ही बताएगा।

तो रोका जा सकता था इस विवाद को

पांकी में हुए इस घटना को जरा गौर से देखा जाए तो जैसे ही वह

चिंगारी निकली थी अगर उसी समय समय रहते उसे सुलझा लिया जाता तो शायद इस घटना को रोका जा सकता था। लोगों का मानना है कि जिस जगह पर विवाद हुआ वह बहुत बड़ा विवाद नहीं था। अगर पहुंची पुलिस उसी समय संज्ञान में ले लेती तो वह नौबत नहीं आती तभी है। उन्होंने कहा कि यह कोई पर गांव के लोग एक दूसरे से मिलने का अवसर मिलता है। साथ ही धार्मिक वातावरण भी बनता है युवा नेता सुर्या सिंह ने कहा कि यह से इलाके में सुख समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि यह कोई पर गांव के लोग एक दूसरे से मिलने का अवसर मिलता है। इसमें लोगों में धर्म के प्रति आस्था मजबूत होती है। मौके पर एनसीपी के प्रदेश महासचिव विनय कुमार सिंह उर्फ बीनु सिंह, विधायक प्रतिनिधि अंजीत सिंह, वीर सुरी अध्यक्ष गुरु सिंह, गोरख पासवान, पंचायत समिति प्रदीप पासवान, सुभाष पासवान काफी सख्ता में श्रद्धालु मौजूद हैं।

जागरण का जो दौरा परिवेश चल रहा है वह अपास में उलझ कर रहने का। खैर अब जो भी हो अब देखना यह है कि अब वे घटनाओं के बाद लोग आपसी सूखबूझ और भाईचारे के साथ रहते हैं। यह नहीं वह तो वक्त ही बताएगा।

तो रोका जा सकता था इस विवाद को

पांकी में हुए इस घटना को जरा गौर से देखा जाए तो जैसे ही वह

चिंगारी निकली थी अगर उसी समय समय रहते उसे सुलझा लिया जाता तो शायद इस घटना को रोका जा सकता था। लोगों का मानना है कि जिस जगह पर विवाद हुआ वह बहुत बड़ा विवाद नहीं था। अगर पहुंची पुलिस उसी समय संज्ञान में ले लेती तो वह नौबत नहीं आती तभी है। उन्होंने कहा कि यह कोई पर गांव के लोग एक दूसरे से मिलने का अवसर मिलता है। साथ ही धार्मिक वातावरण भी बनता है युवा नेता सुर्या सिंह ने कहा कि यह से इलाके में सुख समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि यह कोई पर गांव के लोग एक दूसरे से मिलने का अवसर मिलता है। इसमें लोगों में धर्म के प्रति आस्था मजबूत होती है। मौके पर एनसीपी के प्रदेश महासचिव विनय कुमार सिंह उर्फ बीनु सिंह, विधायक प्रतिनिधि अंजीत सिंह, वीर सुरी अध्यक्ष गुरु सिंह, गोरख पासवान, पंचायत समिति प्रदीप पासवान, सुभाष पासवान काफी सख्ता में श्रद्धालु मौजूद हैं।

जागरण का जो दौरा परिवेश चल रहा है वह अपास में उलझ कर रहने का। खैर अब जो भी हो अब देखना यह है कि अब वे घटनाओं के बाद लोग आपसी सूखबूझ और भाईचारे के साथ रहते हैं। यह नहीं वह तो वक्त ही बताएगा।

तो रोका जा सकता था इस विवाद को

पांकी में हुए इस घटना को जरा गौर से देखा जाए तो जैसे ही वह

चिंगारी निकली थी अगर उसी समय समय रहते उसे सुलझा लिया जाता तो शायद इस घटना को रोका जा सकता था। लोगों का मानना है कि जिस जगह पर विवाद हुआ वह बहुत बड़ा विवाद नहीं था। अगर पहुंची पुलिस उसी समय संज्ञान में ले लेती तो वह नौबत नहीं आती तभी है। उन्होंने कहा कि यह कोई पर गांव के लोग एक दूसरे से मिलने का अवसर मिलता है। साथ ही धार्मिक वातावरण भी बनता है युवा नेता सुर्या सिंह ने

धनबाद/बोकाटी/बेटमो

बस्ताकोला कोलडंप में ट्रक लोडिंग थुरू करने के लिए प्रबंधन की तैयारी

आजाद सिपाही संचाददाता



जुनकुंदर मंगल मूर्ति धाम में दो दिवसीय वार्षिक उत्सव

आजाद सिपाही संचाददाता



चिरकुंदा। धर्म उत्थान समिति की ओर से जुनकुंदर मंगल मूर्ति धाम में दो दिवसीय वार्षिक उत्सव हवन, भंडारा और रविवार को रात की शामती जागरण के साथ संपन्न हो गया। जागरण में राधे कृष्ण लीला, काली माता की झांकी एवं नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। बोकारो व ज्ञायिरा से आए कलाकार सावन कुमार, छोटा लखन, विष्णु विद्यार्थी, अंजली और राती एक से बढ़कर भक्ति गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को देर रात तक ज्ञाये पर विश्वास। इस दौरान चिरकुंदर थानेदार सुनील कुमार सिंह, एसआई राजू सिंह को मंदिर कोटी की ओर से सम्मानित किया

बाघमारा में स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच

आजाद सिपाही संचाददाता



कतरास। लायंस कलब बाघमारा सेंटीनेल ने सोमवार को बाघमारा कॉलेज बाघमारा में आत्र-छात्रों के बीच स्वास्थ्य 'जागरूकता' को लेकर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में रक्त वर्गीकरण, रक्त शर्करा, हेमोलोबिन, ब्लड प्रेशर, पल्स इत्यादि की जांच की गई। साथ ही विद्यार्थियों को स्वास्थ्य से संबंधित जागरूकता दिया गया। जागरण में अपने वाहन पर दोनों थानाओं को बीसीसीएल के क्षेत्रीय अस्पताल डूमरा लाये जाए चिकित्सक ने सुरेश चौहान की जांच पड़ाता कर दिया वही थाली चौहान के बेटे द्वारा होते ही कुछ दूरी पर उपस्थित थोपाल सिंह व उनके साथियों ने आनफान में अपने वाहन पर दोनों थानाओं को बीसीसीएल के क्षेत्रीय अस्पताल डूमरा लाये जाए चिकित्सक ने सुरेश चौहान (40) वर्षीय की मौत हो गई वही थाली चौहान (37) वर्षीय गम्भीर रूप से घायल हो गया। ट्रैक्टर बाइक की टक्कर होते ही कुछ दूरी पर उपस्थित थोपाल सिंह व उनके साथियों को आनफान में अपने वाहन पर दोनों थानाओं को बीसीसीएल के क्षेत्रीय अस्पताल डूमरा लाये जाए चिकित्सक ने सुरेश चौहान के बेटे द्वारा होकर भीमकनाली से बसंती चौक की तरह जा रहे थे और ट्रैक्टर व बाइक की टक्कर के बीच दो टोटो चालक के मौत हो गये। बाघमारा पुलिस ने घटनास्थल पर घटना की जांच कर दिया गया। बाघमारा पुलिस ने चौहान के परिजनों ने उसे अशर्का अस्पताल धनबाद में भर्ती कराया

दो घंटे के अंतराल में तीन सड़क दुर्घटनाओं में आठ घायल और एक बाइक सवार की मौत

आजाद सिपाही संचाददाता



कतरास। सोमवार की दोपहर दो बजे हरिण चंद्रपुर हिरक रोड भीमकनाली की टाइम कॉलिंग के समीप बाइक और ट्रैक्टर की टक्कर में बाइक सवार सुरेश चौहान (40) वर्षीय की मौत हो गई वही थाली चौहान (37) वर्षीय गम्भीर रूप से घायल हो गया। ट्रैक्टर बाइक की टक्कर होते ही कुछ दूरी पर उपस्थित थोपाल सिंह व उनके साथियों को आनफान में अपने वाहन पर दोनों थानाओं को बीसीसीएल के क्षेत्रीय अस्पताल डूमरा लाये जाए चिकित्सक ने सुरेश चौहान के बेटे द्वारा होकर भीमकनाली से बसंती चौक की तरह जा रहे थे और ट्रैक्टर व बाइक की टक्कर के बीच दो टोटो चालक के मौत हो गये। बाघमारा पुलिस ने घटनास्थल पर घटना की जांच कर दिया गया। बाघमारा पुलिस ने चौहान के परिजनों ने उसे अशर्का अस्पताल धनबाद में भर्ती कराया

में बदल गयी। प्रदर्शन में पूर्ण पासवान, बुधन मंडल, संजय यादव जितू पासवान, नारायण पासवान, सेलो पासवान, उत्तेंद्र सिंह, विशाल सिंह, मो. सुलतान सहित अन्य थे।

मजदूरों की कमाई को हड्डपाल चाहते हैं कुछ दलाल

भाजपा नेत्री रामगीती सिंह ने कहा कि बस्ताकोला कोलडंप में ट्रक लोडिंग शुरू होने के शेष से ही दलाल स्क्रिप्ट हो गए हैं। कुछ दलाल किस्म के लोग अन्य युविनय का चाला पहनकर मजदूरों की कमाई हड्डपाल चाहते हैं।

सभी युविनय के बीच बनी थी सहमति

दो साल पूर्व बस्ताकोला कोलिंगरी का कार्यालय में यहां ट्रक लोडिंग शुरू करने के लोकर सभी युविनय की एक बैठक हुई थी। युविनय के बीच विवाद के कारण वहां ट्रक लोडिंग कार्य शुरू होने होने देगा। इस बायोली चांदमारी के पुराने गुट, मासस, युवा बेरोजगार मच धनसार, असंगठित मजदूरों ने स्थानीय को रोजगार मिले, आउटसोर्सिंग में कार्यरत मजदूरों को रोजगार नहीं मिला तो एकपीसी के तहत वेतन देने,

उपेंद्र कुशवाहा का जेडीयू से इस्तीफा

18 साल में 3 बार नीतीश का साथ छोड़ा, कहा: सीएम पड़ोसी के घर वारिस ढूँढ रहे हैं



आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री और जनता दल युनाइटेड (जेडीयू) के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का साथ छोड़ दिया है। कुशवाहा ने सोमवार को पटना में प्रेस कान्फ्रेस की और जेडीयू से इस्तीफे के साथ अपनी पार्टी गणराज्य लोक जनता दल का ऐलान किया। वे इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष भी होंगे। 18 साल में ये तीसी बार है, जब उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश का साथ छोड़ा है। इससे पहले उन्होंने 2005 और 2013 में नीतीश का साथ छोड़ा था। कुशवाहा ने नीतीश से अलग होने के बाद 2013 में नीतीश का साथ छोड़ा था। वे दूसरी बार है जब उन्होंने नीतीश का साथ छोड़ा है। वे एलान किया। मार्डिया से बातचीत में कुशवाहा ने कहा- नीतीश के साथ शुरूआत अच्छी थी, लेकिन अंत बुरा। जीर्मार बेचकर हम अभी नहीं बन सकते। नीतीश जी जिस रास्ते पर चल रहे हैं, वो पार्टी के लिए सही नहीं है। वे पड़ोसी के घर में अपना वारिस ढूँढ रहे हैं। कुशवाहा का इशारा अपाले विधानसभा नहीं बनना चाहता। उपेंद्र कुशवाहा नहीं पसंद थे तो कोई बात नहीं। लेकिन परिवार में ही ढूँढ़ा था। बीजेपी के साथ छोड़कर नया गठबंधन बना लिया गया। उस वर्त भी हमने साथ दिया। उपेंद्र कुशवाहा 2 बार पहले भी नीतीश कुमार का साथ छोड़ चुके हैं। साल 2005 में जब बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी और जेडीयू की अमुआई वाली एनडीए विधायक सत्ता में आई तब कुशवाहा अपनी ही सीट से चुनाव हार गए। इसके बाद कुशवाहा और नीतीश के बीच दूरीयां बढ़ गईं। उन्होंने पार्टी को गिरवी

जायेगा। मेरा लक्ष्य 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराना है। मैं सीएम या पीएम पर

कुशवाहा ने पार्टी का गिरवी रख दिया

कुशवाहा ने कहा- जेडीयू के कार्यकर्ता परेशन हैं। मुख्यमंत्री जी ने शुरूआत में अच्छा काम किया, लेकिन आखिर में उन्होंने जो किया वो अच्छा नहीं हुआ। मैंने जब पार्टी से बिलाया तो मुझे उन्होंने कह दिया। पार्टी छोड़कर चले जाइए। नीतीश जी के पास है बया। उनके पास अब कुछ नहीं बचा है। उन्होंने पार्टी को गिरवी

पटना के जेडीयू में तीसीरी मौत के साथ तनाव और बढ़ा आगजनी के बाद पुलिस पर पथराव, जवाब में फायरिंग

पटना (आजाद सिपाही)। पुलिस सपाहा का पहला दिन बिहार पुलिस के लिए मुमीकवां भरा रहा। रविवार के बाद दूसरी दिन सोमवार को भी राजसीनी पटना के विधायक सत्ता में रहा। फायरिंग में रविवार को दो लोगों की मौत के बाद हायांकांड के आरोपी का घर-कॉन्विनिटी हॉल आदि जलाने के बाद से हांगामा शांत करने का पुलिसिया प्रयास पूरी तरह फिल रहा। रातभर किसी तरह तनाव के बीच शांत रही, लेकिन सोमवार को सुबह होते ही उपद्रव शुरू हो गया। वे युवकों गौतम और रोशन की मौत के विरोध में परिजनों और स्थानीय लोग आक्रोशित हो गये।

पीएम मोदी ने की 'आपरेशन दोस्त' की तारीफ भूकंप प्रभावित तुर्की से लौटे बचाव दल के जांबाजों से की बात

आजाद सिपाही संवाददाता नवी दिल्ली। प्रधानमंत्री नेत्रदेव मोदी ने सोमवार को एनडीआरएफ और अन्य संगठनों के लोगों से बात की। इन लोगों ने तुर्किये और सीरिया में आये भूकंप के बाद बचाव अभियान में हिस्सा लिया था। भारत की ओर से भेजे गए बचाव दल ने भूकंप प्रभावित देशों में कई जांबाज बचाई। पीएम मोदी ने बातचीत के दौरान अपनी नीतीश जी गलत रास्ते पर चल रहे हैं।

नीतीश जी पड़ोसी के घर में उत्तराधिकारी ढूँढ रहे हैं। अगर वो अतिरिक्त दाम प्राप्त करेंगे तो हमें कोई परेशन नहीं होता। उपेंद्र कुशवाहा नहीं पसंद थे तो कोई बात नहीं। लेकिन परिवार में ही ढूँढ़ा था। बीजेपी के साथ छोड़कर नया गठबंधन बना लिया गया। उस वर्त भी हमने साथ दिया। उपेंद्र कुशवाहा 2 बार पहले भी नीतीश कुमार का साथ छोड़ चुके हैं। साल 2005 में जब बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी और जेडीयू की अमुआई वाली एनडीए विधायक सत्ता में आई तब कुशवाहा अपनी ही सीट से चुनाव हार गए। इसके बाद कुशवाहा और नीतीश के बीच दूरीयां बढ़ गईं।

अपस्थित रहे।

इस दौरान पीएम मोदी

भूवनेश्वर। राज्य का बजट सत्र मार्गदर्शक के होगा। इसके लिए कमिशनरेट पुलिस ने विधानसभा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस महानिंदेशक एवं पुलिस आयुक्त ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। हालांकि सुरक्षा व्यवस्था में 30 प्लाटून पुलिस आयुक्त ने बुराका व्यवस्था का अपनाई जायेगा। 2 प्लाटून एसएओजी, रूफ टाप सिस्योरिटी, क्रिकेट एस्प्रेस टीम, डॉग स्क्वायर एवं व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहेंगे। विधानसभा क्षेत्र में धारा 144 जारी रहेंगी। इसी तरह सुरक्षा बल

बजट सत्र कल, तैनात होंगे 30 प्लाटून पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

भूवनेश्वर। राज्य का बजट सत्र मार्गदर्शक के होगा। इसके लिए कमिशनरेट पुलिस ने विधानसभा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस महानिंदेशक एवं पुलिस आयुक्त ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। हालांकि सुरक्षा व्यवस्था में 30 प्लाटून पुलिस आयुक्त ने बुराका व्यवस्था का अपनाई जायेगा। 2 प्लाटून एसएओजी, रूफ टाप सिस्योरिटी, क्रिकेट एस्प्रेस टीम, डॉग स्क्वायर एवं व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहेंगे। विधानसभा क्षेत्र में धारा 144 जारी रहेंगी। किसी भी अप्रियतीकर और कानून व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहेंगे।

विधानसभा क्षेत्र में धारा 144 जारी रहेंगी।

भावात्मक रूप से बदलने के लिए उपस्थित थीं। इस नेक पहल का समापन लाभार्थियों द्वारा जतायी। इस मैट्टे पर उपाध्यक्ष एस. सचिता को नार, आदिलक्ष्मी, महिला बलब जरूरतमंदों और समिति सदस्य; स्नायरानी माझी, राम्या, मनसा वर्मा, रेखा देवी, अपूर्व द्विवेदी और बलब के सदस्यों तक पहुँचने में सक्रिय रूप से शामिल रहा।

आजाद सिपाही संवाददाता भूवनेश्वर। एनटीपीसी को बलब खनन मुख्यालय, स्वर्योसिद्ध लैंडीजी बलब, अध्यक्ष, समिति महिला बलब ने तेजुल और मार्गदर्शन में और सदस्यों के साथ रंगीन के अमरवरती क्षेत्र में वर्चित बच्चों की शिक्षा के लिए एक संगठन, रॉबिनहूड आर्मी के बलस्टर का दौरा किया। वर्चित बच्चों के लिए शिक्षा में पाठ्यपुस्तकों और स्कूल के सदस्यों ने भी बच्चों के साथ

आपूर्ति जैसे बुनियादी संसाधनों का अपावधि है। इससे बच्चों को प्राप्तवार्द्ध होती है।

इसे ध्यान में रखते हुए स्वर्योसिद्ध महिला बलब के लिए व्यवस्था के अंतर्गत एक बच्चों को इच्छा रखने वाले 100 ऐसे सीखने वाले एक संस्कृत विद्यालय, जिसमें आइटेम, पाठ्यपुस्तक, वितरित करके बच्चों बच्चों और शिक्षा के बीच सेवा बनाने का लक्ष्य रखा। स्वर्योसिद्ध महिला बलब के बच्चों के लिए शिक्षा में संगठन संस्कृतकों और स्कूल के सदस्यों ने भी बच्चों के साथ

आपूर्ति जैसे बुनियादी संसाधनों का अपावधि है। इससे बच्चों को प्राप्तवार्द्ध होती है।

इसे ध्यान में रखते हुए स्वर्योसिद्ध महिला बलब के लिए व्यवस्था के अंतर्गत एक बच्चों को इच्छा रखने वाले 100 ऐसे सीखने वाले एक संस्कृत विद्यालय, जिसमें आइटेम, पाठ्यपुस्तक, वितरित करके बच्चों बच्चों और शिक्षा के बीच सेवा बनाने का लक्ष्य रखा। स्वर्योसिद्ध महिला बलब के बच्चों के लिए शिक्षा में संगठन संस्कृतकों और स्कूल के सदस्यों ने भी बच्चों के साथ

आपूर्ति जैसे बुनियादी संसाधनों का अपावधि है। इससे बच्चों को प्राप्तवार्द्ध होती है।

आपूर्ति जैसे बुनियादी संसाधनों का अपावधि है।